खूबसूरत अनुभूति है एवरेस्ट

Que.1. सूचना : 'खूबसूरत अनुभूति है एवरेस्ट' का यह अंश पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

जब मैं टोप पर पहुँची तो भावात्मक रूप से शून्य हो गई थी। न किसी प्रकार की खुशी थी और न ही कोई ग़म। वॉकी-टॉकी फोन के ज़रिए मुझे सूचना दी गई कि मैं एवरेस्ट पर पहुँच गई हूँ। [Marks :(6)]

1. एवरेस्ट के टोप पर पहुँचने पर संतोष यादव का कैसा अनुभव हुआ था? [2]

2. मान लें, संतोष यादव ने एवरेस्ट के टोप पर पहुँचने का अनुभव बताते हुए सहेली के नाम पत्र लिखा। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

Ans. 1. संतोष यादव के अनुभवों को अपने शब्दों में प्रस्तुत किया है।

संतोष यादव के अनुभवों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।

2. स्थान, तारीख, संबोधन, स्वनिर्देश, पता आदि के साथ पत्र की शैली में कलेवर प्रस्तुत किया है।

पत्र के लिए आवश्यक विशेषताएँ एक हद तक मौजूद हैं।

पत्र में उपर्युक्त संकेत आंशिक रूप से विद्यमान हैं।

पत्र लिखने का प्रयास किया है।

Que.2. सूचना : 'खूबसूरत अनुभूति है एवरेस्ट' का यह अंश पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

परिवार के लोग सोचने लगे कि यदि हाथ-पैर टूट गया तो शादी कैसे होगी? गाँव के लोग क्या कहेंगे? लेकिन मेरी ज़िद के कारण अंत में उन्हें मानना पड़ा। [Marks :(6)]

1. संतोष यादव को एवरेस्ट पर चढ़ने से परिवार के लोग क्यों रोक रहे थे? [2]

2. सारी कठिनाइयों का सामना करते हुए संतोष यादव एवरेस्ट के टोप पर पहुँच गई। इसपर एक रपट लिखें।

Ans. 1. आशय समझकर अपना विचार तर्कसंगत प्रस्तुत किया है।

अपना विचार प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।

2. संतोष यादव के एवरेस्ट पर पहुँचने की बात को स्थान और शीर्षके के साथ समाचार पत्र की शैली में प्रस्तुत किया है।

रपट के लिए आवश्यक बातें एक हद तक सही हैं।

रपट आंशिक रूप से सही है।

रपट लिखने का प्रयास किया है।